मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति (CCAT) में प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम एक प्रशंसनीय कदम

Certificate Course in AYURVEDA THERAPY (CCAT)

(आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति-प्रमाण-पत्र)

RECOGNIZED BY : NIOS, MHRD GOVT. OF INDIA

कोर्स अवधि-1 वर्ष योग्यता :- 12वीं पास (साईस विषय) या
10वीं पास साथ में आयुर्वेद के विभिन्न क्षेत्रों में 2 वर्षीय कार्यानुभव

रोजगार के अवसर :-

कोर्स के पश्चात (NIOS, MHRD) भारत सरकार द्वारा निर्धारित रोजगार अवसर :-

1. आयुर्वेदिक टेक्निशियन के पद पर राजकीय (Govt.) अथवा निजी (Pvt.) क्षेत्र में सेवाऐं दे सकते हैं।
2. Govt. and Pvt. आयुर्वेदिक फार्मेसी (रसायण शाला) में टेक्निशियन की नौकरी कर सकते हैं।
3. Govt. Hospital में पंचकर्म/डिस्पेंसिंग की सेवायें कर सकते हैं।
4. औषधीय संग्रहणन एवं आयुर्वेदिक मैडिकल स्टोर खोलने में मान्य हैं।
5. व्यक्तिगत वैधकीय कार्य में सेवाऐं कर सकते है। 6. विदेशों में भी पंचकर्म कार्य हेतु सेवाऐं देने के लिए जा सकते हैं।

☞ आज तक बहुत से लोग अवैध रूप से बिना लाईसेंस व सर्टिफिकेट के स्वास्थ्य सेवायें कर रहें हैं। परन्तु अब इसे रोकने के लिए सरकार ने सख्त कानून (क्लीनिकल एस्टब्लिशमेंट एक्ट 2010) बना दिया है। इस कानून के तहत बिना लाईसैंस के सेवाऐं करने पर सजा व जुर्माना भी हो सकता है।

☞ अगर आप भी आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति में सेवायें दे रहें है। तो NIOS, MHRD Govt. of India के द्वारा करवाया जाने वाला (CCAT) आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति, कोर्स करके बिना किसी डर के सरकार द्वारा अधिकृत रूप से सेवायें कर सकते है।

➔ NIOS MHRD Govt. of India Board जो इन कोर्सो को प्रायोजित करता है वह क्या है इसकी जानकारी निम्न है :
मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार के अधीन भारतीय संसद/भारत सरकार महामहीम राष्ट्रपति महोदय (गजट नोटिफिकेशन- Part I SEC. of No. 42 of The Gazette Notification of India 20th Oct. 1990) द्वारा विधि सम्मत स्थापित एक राष्ट्रीय शिक्षा बोर्ड है जिसको 10, 10+2 शिक्षा के साथ साथ व्यावसायिक शिक्षा के अनेक पाठ्यक्रमों के अर्न्तगत स्वास्थ्य पैरा चिकित्सा (Health & Paramedical) कोर्सेज करवाने का अधिकार प्रदान किया गया है जो सम्पूर्ण भारत में राज्य सरकारों द्वारा कानून मान्यता तथा सरंक्षण प्राप्त है।
NIOS को विश्व का सबसे बड़ा बोर्ड होने का गौरव प्राप्त है। NIOS बोर्ड के विदेशों में अध्यन केन्द्र स्थापित है।

Scanned with CamScanner

–: रोजगार अवसर :–

भारत सरकार द्वारा निर्धारित रोजगार अवसर :- 1. आयुर्वेदिक टेक्निशियन के पद पर राजकीय अथवा निजी सेवाऐं 2. फार्मेसी (रसायन शालाऐं) में टेक्निशियन 3. आयुर्वेदिक हॉस्पिटल्स में पंचकर्म/डिस्पेंसिंग/ नर्सिंग सेवाऐं 4. औषधीय संग्रहण एवं आयुर्वेदिक मेडिकल स्टोर खोलने में मान्य 5. व्यक्तिगत वैधकीय ।

भारत सरकार ने विशेषज्ञ आयुर्वेदज्ञों की टीम का गठन कर इस कोर्स/पाठ्यक्रम का निर्माण करवाया है जिसमें सागर को गागर में समाहित करने का अद्भुत प्रयास किया है। पाठ्यक्रम की रूपरेखा में निम्न महत्वपूर्ण विषय इस प्रकार है :-

PAPER - I Introduction to fundamental of Ayurveda
(आयुर्वेद के मूलभूत सिद्धान्त परिचय)

1. **Principles of Ayurvedic Therapy** आयुर्वेद परिचय 2. **Fundamental Principles of Ayurveda With Applied Aspects** - आयुर्वेद के मूल सिद्धान्त 3. **Health And Hygene Including Pre ventive Measures** - स्वास्थ्य और स्वस्थवृत्त, रोकथाम उपाय सहित 4. **Embrylogy (Garbhavyakarama)** गर्भशरीर 5. **Prakriti** (प्रकृति) **(Natural Constitution)** 6. **Body Sub Parts (Pratyanga)** (प्रत्यंग) 7. **Anatomy And Physiology (Sarir Rachana & Sarir Kriya)** (शरीर रचना एवं शरीर क्रिया विज्ञान) 8. **Marma Vigyan** (मर्म विज्ञान) 9. **Causes of Diseases** (बीमारियों के कारण) 10. **Diseases Process and Types of Pathogenesis.** (रोग प्रक्रिया और रोगजनक आधार) 11. **Examination of Patient And Diseases.** (रोग एवं रोगी परीक्षण)

PAPER - II Introduction to different therapies Ayurveda
(आयुर्वेद की विभिन्न पद्धतियों का परिचय)

1. **Principles of Ayurvedic Therapy** (आयुर्वेद पद्धति के सिद्धान्त) 2. **Marma Therapy** (मर्म चिकित्सा पद्धति) 3. **Family Welfare** (परिवार कल्याण) 4. **Panchakarma - Principles and Applied Aspects** (पंचकर्म के सिद्धान्त और प्रायोगिक दृष्टिकोण) 5. **The Purvakarma** (पूर्वकर्म) **(Preparatory Procedure)** 6. **Pradhana Karma** (प्रधान कर्म) 7. **Paschata Karma** (पश्चात कर्म) 8. **Preparation used for Panchakarma Therapy**(पंचकर्म में उपयोगी तैयारियां) 9. **Important Ayurvedic Pharmaceutical Preparation and Their Indications** (महत्वपूर्ण आयुर्वेदिक औषधियों का निर्माण एवं उनका उपयोग) 10. **List of Common Pharmaceuticals Preparations their uses in Panchkarma Proceudre & Methods of Preparation** (पंचकर्म में सामान्यतया काम में आने वाली औषधियों की सूची एवं निर्माण प्रक्रिया)

Scanned with CamScanner

पाठ्यक्रम में आयुर्वेद के सभी महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया है तथा अलग से प्रेक्टिकल मेनुअल तैयार कर सभी आवश्यक प्रायोगिक विषयों को सम्मिलित कर महत्वपूर्ण कार्य किया है। जिनमें प्रमुख प्रथम प्रश्न पत्र **(First Paper)** आयुर्वेदावतरण चार्ट **(Ayurvedavataran Chart)** आयुर्वेद मूल सिद्धान्त चार्ट **(Basic Fundamental of Ayurveda Chart)** दिनचर्या, ऋतुचर्या मूल आधार चार्ट **(Dincharya Ritucharya Basic Concept Chart)** मासानुमासिक गर्भ विकास चार्ट **(Garbh-vyakaran Masanumasic Chart)** प्रकृति दोषानुसार चार्ट **(Natural Consitution Chart)** शरीर रचना और शरीर क्रिया विज्ञान के विभिन्न तंत्र चार्ट **(Anatomy & Physiology Chart)** मर्म शरीर सांकेतिक चार्ट **(Distribution of Marma Points in Human Body)** दोषानुसार रोगों का वर्गीकरण चार्ट **(Doshanusar Classification of Disease Chart)** संक्रामक रोग फैलने के सिद्धान्त चार्ट **(Mode of Spread a Common Infection Disease)** रोगी प्राणमूलक जीवनीय संकेत **(Take the Patient's Vital Signs)** - नाड़ी दर **(Pulse)** रक्त चाप दर **(Blood Pressure)** स्पंदन परीक्षण यंत्र **(Stethoscope)** तापमापी **(Thermometer)** श्वसन दर **(Breathing Rate)** आयुर्वेद मतानुसार रोग-रोगी परीक्षण विधियां **(Examination Process of Diseases & Patient According Ayurveda)** विकिरण परीक्षण **(X-Ray)** मूत्र परीक्षण **(Urine Test)** रक्त परीक्षण **(Blood Test)** रोगी परीक्षण (30 रोगियों का इतिवृत्त) **(Patient History of 30 Patients)**

द्वितीय प्रश्न पत्र (Second Paper)

विभिन्न प्रकार की 100 महत्वपूर्ण वनौषधियों का फाइल निर्माण-औषध गुण धर्म विवेचन **(Prepare a file of 100 important Herbal Drugs - Description of Drug Property)** औषध निर्माण कला - **(Pharmacy)** यंत्र परिचय - आसव, अरिष्ट, अवलेह, चूर्ण, पाक, तैल, वटी निर्माण विधि **(Ayurvedic Pharmaceutical Instrument and Method of Preparation)** परिवार कल्याण के आयुर्वेद एवं आधुनिक मतानुसार साधन **(Contraception Through Ayurveda & Modern System)** पंचकर्म चार्ट **(Panchakram)** पंचकर्म यंत्र - शस्त्र चित्रण व उपयोग **(Panchakarma Instruments Diagrams & Their Indictions)** पंचकर्म साध्य 30 रोगियों का प्रायोगिक इतिवृत्त **(30 Patients Clinical & Practical Study History)**

प्रवेश योग्य वर्ग :-

निम्न छात्र/छात्राऐं/महिलाऐं/प्रबुद्ध जन इस पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकते है:-

1. आयुर्वेद के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे अप्रशिक्षित कर्मी जिनके पास किसी प्रकार का डिप्लोमा/सर्टिफिकेट नहीं है। यह कोर्स कर अधिकृत हो सकते है।
2. राज्य मे फार्मेसी चला रहे संचालकगण परिवारीय सदस्य ट्रेनिंग कर फार्मेसी में टेक्निशियन कार्य करने के इच्छुक।
3. आयुर्वेदिक स्टोर संचालको को कोस्र करने का अवसर जिससे भविष्य में आ रहे नियमों जैसे लाइसेंस धारियों द्वारा ही कार्य करना होगा आदि नियमों का फायदा प्राप्त कर सके।
4. बेरोजगार युवक-युवतियों जो आयुर्वेद के विभिन्न क्षेत्रों में स्वरोजगार प्राप्त करने के इच्छुक है।
5. विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों के डॉक्टर्स/नर्सिंग/पैरामेडिकल कर्मी जो आयुर्वेद को सीखना और कार्य में अपनाना चाहते है, उनके लिये भी सुअवसर है।

Scanned with CamScanner

कोर्स के पश्चात NIOS, मा. सं. वि. मं., भारत सरकार द्वारा निर्धारित रोजगार अवसर (Job Opportunities)

The main aim of this is to train the 'Ayurvedic Technicians' to fulfill the requirement in various sectors of Ayurveda. After passing this course, the trainees will have job opportunities as a Ayurvedic Technicians' or equivalent in the Ayurvedic Pharmacies, Herb Collection Centres, Ayurvedic Hospitals, Panchakarma Units & numerous individual vaidyas.

- आयुर्वेदिक टेक्निशियन के पद पर राजकीय अथवा निजी सेवाऐं
- फार्मेसी (रसायन शालाओ) में टेक्निशियन
- आयुर्वेदिक हॉस्पिटल्स में पंचकर्म/डिस्पेंसिग/नर्सिंग सेवाऐं
- औषधीय संग्रहण एवं आयुर्वेदिक मेडिकल स्टोर खोलने
- विभिन्न व्यक्तिगत वैद्यकीय

प्रशिक्षण कार्यक्रम (Training Programme) :- भारत सरकार के प्रावधानानुसार हमारे संस्थान में विषयों का सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक **(Theory & Practical)** अध्ययन, तदोपरान्त सम्बद्ध **(Collaborate)** आयुर्वेद क्लिनिक्स, हॉस्पिटल्स तथा राजकीय आयुर्वेदिक संस्थानों में **(Ayurvedic Clinics, Hospitals & Govt. Ayurvedic Institutes)** में विभिन्न आयुर्वेदीय विषयों पर **Clinical Practical Training** की व्यवस्था की गई है।

आज विदेशो में भी आयुर्वेद पंचकर्म टेक्निशियन की आवश्यकता महसूस की जा रही है तथा कई देशों में मांग भी है। अत: **CCAT** योग्यताधारी आयुर्वेद टेक्निशियन **(Ayurveda Technician)** विदेश में भी पंचकर्म कार्य हेतु सेवाऐं देने के लिए जा सकते है।

नोट : **CCCH** - सामुदायिक स्वास्थ्य (ऐलोपैथी), **CCHD** - होम्योपैथी, **CCY** - योग आदि कोर्सज जो भारत सरकार द्वारा प्रायोजित किये जा रहे है, हमारे संस्थान से आप इन्हें कर अधिकृत सेवाऐं कर सकते है।

Scanned with CamScanner